सिटी भास्कर को
और बेहतर बना सकें। निवेदन है कि आप 2 मिनट का समय निकालकर अपना कीमती फीडबैक इसी फॉर्म लिंक पर अवश्य दें।

का भ्रमण, पारंपरिक संगीत-नृत्य सत्र, हेरिटेज वॉक और आगरा व रणथंभौर की शैक्षिक यात्राएं करवाई जाएंगी। खास बात यह कि इस कार्यक्रम में स्टूडेंट्स से अलग-अलग विषयों पर संवाद करने के लिए डॉ. लक्ष्यराज सिंह मेवाड़, वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर लतिका नाथ, क्लाइमेट चेंज एक्सपर्ट शैला राघव, अजीत बजाजा आ रहे हैं। यह दो सप्ताह का आयोजन स्कूल की निदेशक अर्चना एस. मनकोटिया के संरक्षण में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य स्टूडेंट्स में स्किल बढ़ाना और भारतीय संस्कृति के विभिन्न आयामों से परिचित कराना है।

टियर वन, टियर टू, टियर थ्री सिटी के युवा यात्रा में शामिल, नौ हजार प्रतिभागियों को मिला फायदा

जयपुर पहुंची जागृति यात्रा, रग्स का मॉडल विजिट किया

सिटी रिपोर्टर • आंत्रप्रेन्योर बनने के लिए एजुकेशन बेरियर नहीं होती है। इच्छाशक्ति होना बेहद जरूरी है। कुछ ऐसा ही संदेश देते हुए जागृति यात्रा जयपुर पहुंची। मुंबई से शुरू हुई यह यात्रा 525 युवाओं को लेकर ट्रेन से पहुंची। यहां जयपुर रग्स के सामाजिक उद्यमिता मॉडल से रूबरू हुई। जयपुर रग्स के संस्थापक एन.के. चौधरी से संवाद किया।

संवाद के तहत उन्होंने ग्रामीण आर्टिजंस के साथ आत्मीयता का संबंध बनाने, सोसायटी को बैलेंस करते हुए बिजनेस को बढ़ावा देने के बारे में जानकारी दी। चौधरी ने कहा कि एक्सपोर्ट में बढ़ी हुई इंपोर्ट ड्यूटी उनके लिए नई चुनौती है। वे अपने बिजनेस को यूएस के अलावा अन्य देशों में शिफ्ट कर रहे हैं। उन्होंने बी2सी पर फोकस करना शुरू कर दिया है। डोमेस्टिक मार्केट पर वे ज्यादा फोकस कर रहे हैं। इस तरह की यात्रा से युवा

सोसायटी में बदलाव लाने के लिए मोटिवेट होते हैं। इन युवाओं ने गांव मानपुरा माचेड़ी विजिट कर जयपुर रग्स की कारपेट बुनाई प्रक्रिया को देखा। यात्रा के संयोजक चिन्मय बंदारे ने बताया कि अलग-अलग राज्यों से युवा इस यात्रा से जुड़ते हैं। इसमें टियर वन, टियर टू, टियर थ्री और रूरल एरिया से युवाओं को चयनित किया जाता है। इस यात्रा के दौरान वे एक-दूसरे के विजन के बारे में संवाद करते हैं। इससे उनमें आपसी कनेक्ट और नेटवर्क बनता है। इस यात्रा से जुड़ने के लिए एक टेस्ट क्लियर करना होता है। अभी तक नौ हजार से ज्यादा प्रतिभागियों को इस यात्रा का फायदा मिल चुका है। यहां प्रतिभागियों के सेंटिमेंट का कोलोब्रेशन होता है। इस अवसर पर यात्रा के चेयरमैन शरद बंसल, सीईओ आशुतोष कुमार उपस्थित थे।

• क्या है जागृति यात्रा... यह एक विशेष ट्रेन यात्रा है। इसका उद्देश्य युवाओं को आंत्रप्रिन्योर बनाना है। यह पंद्रह दिनों में आठ हजार किलोमीटर की दूरी तय करती है। इसमें टियर-वन, टियर-2, टियर-थ्री के युवा होते हैं। ट्राइबल कम्युनिटीज से 15 परसेंट युवा होते हैं। सात नवंबर को मुंबई से शुरू हुई यह यात्रा हुबली, कोच्चि, मदुरै, श्री सिटी, विशाखापट्टनम, बरहामपुर, नालंवा, देवरिया, दिल्ली होते हुए जयपुर पहुंची।

एम पर खास शो की कहानियां

मणिपुर स्टूडेंट्स ने किया सप्त शक्ति कमान मुख्यालय विजिट